

संपादकीय

पूर्ण राज्य की हैसियत

केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 के तहत मिला विशेष दर्जा खत्म किये जाने से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में जो कुछ कहा, उससे दो बातें बिल्कुल स्पष्ट हैं। एक तो यह कि जम्मू-कश्मीर का केंद्रशासित इकाई का दर्जा एक अस्थायी चीज़ है और जब भी स्थितियां अनुकूल होंगी, उसे पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जायेगा। दूसरी बात यह कि राज्य में विधानसभा चुनाव को लेकर सरकार गंभीर है और इससे जुड़ी सारी तैयारियां लगभग पूरी कर चुकी हैं। हालांकि केंद्र सरकार की ही बातों से यह भी संकेत मिलता है कि सारी तैयारियों के बावजूद विधानसभा चुनावों में थोड़ा वक्त लग सकता है, व्यांक पहले पंचायत चुनाव और नगरपालिकाओं के चुनाव करवाये जाने हैं। विशेष दोनों मुद्दों पर सरकार अपना यही रुख पहले भी सारीजनिक कर चुकी है और इसलिए कुछ लोग पूछ सकते हैं कि इसमें नया क्या है। अबल तो यह कि सुप्रीम कोर्ट के समाने सरकार को कुछ कहना वैसे भी अहम है और इसकी तुलना कही और कही गयी थी। दूसरी बात यह कि मौजूदा माहौल में पहली बार सरकार ने कहा है कि चुनाव से जुड़ी तमाम तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और अब चुनाव तिथियों की घोषणा करने की ओपरारिका ही बच गयी है, जो चुनाव आयोग अपने हिसाब से कभी भी पूरी कर सकता है।

जम्मू-कश्मीर की संवेदनशील
स्थिति को लेकर कोई संदेह नहीं हो सकता, लेकिन नॉर्थ इंडिया से लेकर पंजाब तक तमाम सीमावर्ती राज्य हैं, जहां देश कानून-व्यवस्था, आतंकवाद और अलगावदा से जुड़ी गंभीर हुतातियां डॉल चुका है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे में, जिस पर सरकार अभी तक कोई टाइमफ्रेम बताने की स्थिति में नहीं आ पायी है। सबल है कि इसके पीछे आखिर क्या बजाए हो सकती है। जहां तक अनुच्छेद 370 के तहत मिले

विशेषाधिकार को खत्म किये जाने की बात है, तो संवेदनशील और कानूनी कसौटियों पर उसे परखने का काम सुप्रीम कोर्ट कर रहा है, लेकिन पूर्ण राज्य का दर्जा कोई ऐसे बात नहीं है, जो संधे तौर पर उससे जुड़ी हो। राज्य में कानून-व्यवस्था और आतंकी गतिविधियों के मौजूदा जबरदस्त सुधार है। जम्मू-कश्मीर की संवेदनशील स्थिति को लेकर कोई संदेह नहीं हो सकता, लेकिन नॉर्थ इंडिया से लेकर पंजाब तक तमाम सीमावर्ती राज्य हैं, जहां देश कानून-व्यवस्था, आतंकवाद और अलगावदा से जुड़ी गंभीर हुतातियां डॉल चुका है। एक ही बात है, जो जम्मू-कश्मीर को थोड़ा अलग करती है और वह है अनुच्छेद 370 से जुड़े कानूनी और संवेदनशील सबलों का पेंडिंग रहना। हो सकता है सरकार चाहती हो कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की दिशा में कदम उठाने से पहले अनुच्छेद 370 के मसले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला देख लिया जाये। बहरहाल, यह समझना होग कि जम्मू-कश्मीर में सामाजिक स्थिति बहाल होने की बात वहां के लोगों के लोकान्तरिक अधिकारों की बहाली के साथ ही उसके पूर्ण राज्य के दर्जे से भी अधिन रूप में जुड़ी है।

पैरे
टेप
36,165 जेण्टल
सामियां हैं, जो
10.24 मिलियन
हेटेयर से अधिक
क्षेत्र को कवर
करती है।

जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि हुई है। 150 साल पहले की तुलना में गर्म हवाओं (हीट वेव) की तीव्रता पांच गुना अधिक हो गयी है। इस प्रकार भूसंरचना का नियंजीलिकण होने से जंगलों में आग लगने की ओर भी अधिक घटनाओं के लिए अनुच्छेद 370 के तहत मिले

परिवर्तन जंगल की आग के कारण आग से संबंधित जंगल की तीव्रता पांच गुना अधिक हो गयी है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि हुई है। भारतीय वन संवेदनशील वन नियंत्रण ने जंगलों की तकलीफ एवं नियंत्रण नियंत्रण के लिए जंगल की आग से संबंधित डेटा को उपयोगकर्ता के अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। इसके परिणामस्वरूप उत्सर्जन में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने

अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने

अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने

अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने

अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने

अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने

अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने

अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने

अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने

अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने

अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने

अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण के लिए अनुच्छेद 370 के तहत वातावरण तैयार होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आग की घटनाओं में वृद्धि होती है और वर्षाकाल एवं नियंत्रण के लिए एक चौथाई से अधिक क्षेत्रों को जन्म दिया है।

भारत की स्थिति : भारत ने

अपने क्षेत्रों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर नियंत्रण के

धनबाद/बोकारो/बेटमो

गैंगस्टर प्रिंस के घर दूसरी बार हुई कुर्की जब्ती की कार्रवाई

पुलिस जेसीबी लेकर पहुंची थी प्रिंस के घर

धनबाद सीओ और बैंक मोड़ थाना प्रभारी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। धनबाद के लिए आतक का प्रायः बन चुके गैंगस्टर प्रिंस खान के घर में शुक्रवार को न्यायालय के अंदर रह कुर्की जब्ती की कार्रवाई की गई। इस दौरान धनबाद सीओ प्रशांत लायक और बैंक मोड़ थाना प्रभारी प्रभात रंजन पूरे फोर्स के साथ जेसीबी मणीन लेकर कार्रवाई पूरी करने पहुंचे थे। फरार चल रहे प्रिंस के घर यह दूसरी बार कुर्की जब्ती की कार्रवाई हुई। इससे पहले 2022 में वैड उसके बैंक की कुर्की जब्ती हो चुकी थी। कुर्की करने पहुंची पुलिस की टीम ने प्रिंस के घर के बिड़की दरवाजे तक कबाड़ कर अपने साथ ले गयी। वहाँ घर के सामने बने ऑफिस का ताला तोड़ कर वह बने जिम के सभी सामानों को जल कर पुलिस अपने साथ ले गयी। मामा फहीम के बेटे



साहेबजादे से रंगदारी मानने के मामले में हुई कुर्की : शुक्रवार को एक गोपी खान के बिरुद्ध की गई। 2015 में मामा फहीम के बेटे साहेबजादे को धमकी और रंगदारी देने के मामले में उक्त कार्रवाई की गई है। बता दें इससे पहले 23 अगस्त को बैंक मोड़ थाना प्रभारी अगस्त रंजन पाठेय ने प्रिंस व गोपी के घर इश्तेहार के चिपकाया था साथ ले ही पूरे गाजे बाजे के साथ प्रिंस के

